महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
जनसंपर्क कार्यालय
PUBLIC RELATIONS OFFICE

विकसित भारत के लिए प्रौद्योगिकी का विकास आवश्यक : प्रो. मंदार भानुशे

'विकसित भारत और प्रौद्योगिकी' विषय पर हुआ व्याख्यान

वर्धा, 29 जनवरी, 2025 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में 'विकसित भारत और प्रौद्योगिकी' विषय पर आयोजित व्याख्यान में मुंबई विश्वविद्यालय के दूर शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख प्रो. मंदार भानुशेने कहा कि विकसित भारत@2047 के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए प्रौद्योगिकी का विकास आवश्यक है। विकसित भारत@2047 व्याख्यानमाला के अंतर्गत मंगलवार, 28 जनवरी को महादेवी वर्मा सभागार में विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वर्धा समाज कार्य संस्थान के निदेशक प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल ने की। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. आनंद पाटील की प्रमुख उपस्थिति रही।

प्रो. भानुशे ने कहा कि भारत आत्मनिर्भरता की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने स्टार्टअप इंडिया, यूपीआई से भुगतान, डिजिलॉकर आदि अभियानों की चर्चा करते हुए बताया कि भारत कृषि उद्योग प्रधान देश रहा है। इतिहास में हर गांव सार्वभौम

देश की तरह चलता था। धर्म के मूल्यों के आधार पर प्रौद्योगिकी का विकास होना चाहिए। हाल के वर्षों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की उपलब्धियों से पता चलता है की हम इस क्षेत्र में दुनिया में आगे बढ़ रहे हैं। भारत सरकार ने नेशनल रिसर्च फाउंडेशन बनाया है, जिसके चलते विज्ञान और प्रौद्योगिकी के नए क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल की जा रही हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि तकनीकी के माध्यम से भारत विकसित बनने की ओर अग्रसर हो रहा है।

अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल ने कहा कि भारत एक शिल्प प्रधान देश है। यह सामुहिक चेतना और व्यक्ति की गरिमा का भी देश है। हमे विकासित भारत बनाने के लिए अपने काम करने के तरीके में प्रौद्योगिकी का प्रयोग करना चाहिए।

प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल ने प्रो. मंदार भानुशे का स्वागत सूतमाला, प्रतीक चिन्ह एवं अंगवस्त्र देकर किया। कार्यक्रम का संयोजन शिक्षा विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. हेमचंद्र ससाने ने किया। संचालन एवं स्वागत शिक्षा विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. सीमा बर्गट ने किया तथा आभार शिक्षा विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. गोपाल कृष्ण ठाकुर ने माना। कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं कुलगीत से तथा समापन राष्ट्रगान से किया गया।

इस अवसर पर प्रो. अवधेश कुमार, प्रो. जनार्दन कुमार तिवारी, डॉ. रामानुज अस्थाना, डॉ. मनोज राय, डॉ. शैलेश कदम, डॉ. संदीप सपकाळे, डॉ. हर्षलता पेटकर, डॉ. शिव सिंह बघेल, डॉ. मुन्नालाल गुप्ता, डॉ. कोमल कुमार परदेशी, डॉ. संदीप पाटील, डॉ. धीरज मसराम, डॉ. मीरा निचळे, डॉ. श्रीनिकेत कुमार मिश्र, डॉ. वागीश राज शुक्ल, डॉ. तक्षा शंभरकर, डॉ. आदित्य चतुर्वेदी, प्रिती खोडे, बी.एस. मिरगे सहित शोधार्थी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत
ई-मेल/E-mail: buddhadassmirge@hindivishwa.ac.in वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org
दूरभाष :+91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
जनसंपर्क कार्यालय
PUBLIC RELATIONS OFFICE

विकसित भारतासाठी तंत्रज्ञानाचा विकास आवश्यक : प्रो. मंदार भानुशे
'विकसित भारत आणि तंत्रज्ञान' या विषयावर झाले व्याख्यान

वर्धा, 29 जानेवारी २०२५: महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयात विकसित भारत आणि तंत्रज्ञान' या विषयावर आयोजित व्याख्यानात मुंबई विश्वविद्यालयाचे दूर शिक्षण, विज्ञान व तंत्रज्ञान विभागाचे प्रमुख प्रो. मंदार भानुशे म्हणाले की विकसित भारत @ २०४७ पर्यंत विकसित भारताचे उद्दिष्टे साध्य करण्यासाठी तंत्रज्ञानाचा विकास आवश्यक आहे. विकसित भारत @ २०४७ व्याख्यानमालेअंतर्गत मंगळवार, २८ जानेवारी रोजी महादेवी वर्मा सभागृहात विशेष व्याख्यान आयोजित करण्यात आले. कार्यक्रमाच्या अध्यक्षस्थानी वर्धा समाज कार्य संस्थानचे निदेशक प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल यांनी केले.याप्रसंगी कुलसचिव प्रो. आनंद पाटील यांची प्रमुख उपस्थिती होती.

प्रो. भानुशे म्हणाले की भारत सतत स्वावलंबी होण्याच्या दिशेने वाटचाल करत आहे. स्टार्टअप इंडिया, यूपीआय, डिजीलॉकर इत्यादी मोहिमांबद्दल बोलताना ते म्हणाले की भारत हा कृषी उद्योगावर आधारित देश आहे. इतिहासात प्रत्येक गाव एक सार्वभौम देशासारखे चालत असे. धर्माच्या मूल्यांवर आधारित तंत्रज्ञान विकसित केले पाहिजे. अलिकडच्या काळात विज्ञानआणि तंत्रज्ञानातील कामगिरी दर्शवते की आपण या क्षेत्रात जगाचे नेतृत्व करत आहोत. भारत सरकारने राष्ट्रीय संशोधन प्रतिष्ठानाची स्थापना केली आहे. ज्यामुळे विज्ञान आणि तंत्रज्ञानाच्या नवीन क्षेत्रात यश मिळत आहे. तंत्रज्ञानाच्या माध्यमातून भारत विकसित बनण्याच्या दिशेने वाटचाल करत आहे, असा विश्वास त्यांनी व्यक्त केला.

अध्यक्षीय भाषणात प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल म्हणाले की भारत हा हस्तकलेवर आधारित देश आहे. हा सामूहिक जाणीव आणि वैयक्तिक प्रतिष्ठेचा देश देखील आहे. विकसित भारत घडविण्यासाठी आपण आपल्या कामाच्या पद्धतीत तंत्रज्ञानाचा वापर केला पाहिजे.

प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल यांनी प्रो. मंदार भानुशे यांचे स्वागत सूतमाळ, प्रतीक आणि शाल देऊन केले. कार्यक्रमाचे संयोजन शिक्षण विभागाचे सहायक प्रोफेसर डॉ. हेमचंद्र ससाने यांनी केले.संचालन आणि स्वागत शिक्षण विभागाच्या सहायक प्रोफेसर डॉ. सीमा बर्गट यांनी केले तर आभार शिक्षण विद्यापीठाचे अधिष्ठाता प्रो. गोपाल कृष्ण ठाकुर यांनी मानले. कार्यक्रमाची सुरुवात दीपप्रज्ज्वलन आणि कुलगीताने झाली तर समारोप राष्ट्रगीताने झाला.

याप्रसंगी प्रो. अवधेश कुमार, प्रो. जनार्दन कुमार तिवारी, डॉ. रामानुज अस्थाना, डॉ. मनोज राय, डॉ. शैलेश करजी कदम, डॉ. संदीप सपकाळे, डॉ. हर्षलता पेटकर, डॉ. शिव सिंह बघेल, डॉ. मुन्नालाल गुप्ता, डॉ. कोमल कुमार परदेशी, डॉ. संदीप पाटील, डॉ. धीरज मसराम, डॉ. मीरा निचळे, डॉ. श्रीनिकेत कुमार मिश्र, डॉ. वागीश राज शुक्ल, डॉ. तक्षा शंभरकर, डॉ. आदित्य चतुर्वेदी, प्रिती खोडे, बी.एस. मिरगे यांच्यासह शोधार्थी व विद्यार्थी मोठया संख्येने उपस्थित होते.

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत
ई-मेल/E-mail: buddhadassmirge@hindivishwa.ac.in **वेबसाइट/Website:** www.hindivishwa.org
दूरभाष :+91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305